एम.एच.डी – 19

परास्नातक कार्यक्रम
(एम.एच.डी – 19)

पाठ्यक्रम – M.A
हिंदी दलित साहित्य का विकास

सत्रीय कार्य
(जुलाई–2025 एवं जनवरी–2026 सत्र के लिए)

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.डी. – 19

मानविकी विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068

पाठ्यक्रम – एम.एच.डी. – 19
हिंदी दलित साहित्य का विकास

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.डी.–19/2025–2026

प्रिय छात्र/छात्राओं,

यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य (**TMA**) है । सत्रीय कार्य के लिए 100 अंक निर्धारित किए गए हैं । सत्रीय कार्य में पूरे पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जायेंगे ।

उद्देश्य : शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और आप उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं । यहाँ पाठ्य सामग्री की पुनर्प्रस्तुति से तात्पर्य नहीं है वरन् अध्ययन के दौरान जो कुछ सीखा और समझा है उसे आप आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें ।

निर्देश : सत्रीय कार्य आरम्भ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िये :

1.) अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के पहले पृष्ठ के दाएँ सिरे पर अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनाँक लिखिए ।

2.) बाईं ओर पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या और अपने अध्ययन केन्द्र का उल्लेख करें जैसा आगे दिखाया गया है :

अनुक्रमांक : .....

नाम : .....

पता : .....

पाठ्यक्रम का नाम/कोड : .....

सत्रीय कार्य कोड : .....

अध्ययन केन्द्र का नाम/कोड : .....

दिनाँक : .....

<u>सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि</u>

जुलाई 2025 सत्र के लिए : 31 मार्च, 2026

जनवरी 2026 सत्र के लिए : 30 सितम्बर, 2026

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

1. अध्ययनः सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए । फिर इससे संबंधित इकाईयों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए । अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ विशेष बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढ़ग से व्यवस्थित कीजिए ।
2. अभ्यासः उत्तर का प्रारूप तैयार करने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए । अनावश्यक बातों को हटा दीजिए और प्रत्येक बिन्दु पर विस्तार से विचार कीजिए । निबन्धात्मक या टिप्पणीपरक प्रश्नों में आरम्भ और उपसंहार पर विशेष ध्यान दीजिए । उत्तर के आरम्भिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए । मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्धता और तार्किक ढ़ग से प्रस्तुत करें । उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए ।

यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :

क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो,

ख) उत्तर सही ढ़ग से लिखा गया हो तथा आपकी अभिव्यक्ति शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो,

ग) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियों न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें ।

3. प्रस्तुतिः जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ, तो उसे साफ़ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप जोर देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित कर दीजिए ।

शुभकामनाओं के साथ ।

नोट : याद रखें कि विश्वविद्यालय के नए नियमानुसार परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

एम.एच.डी.–19
हिंदी दलित साहित्य का विकास
सत्रीय कार्य
(पूरे पाठ्यक्रम के सभी खंडों पर आधारित)

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.डी.–19/एम.ए.
पाठ्यक्रम शीर्षक : हिंदी दलित साहित्य का विकास
सत्रीय कार्य कोड : एम.एच.डी.–19/टी.एम.ए/2025–2026
कुल अंक : 100

1. निम्नलिखित काव्यांशों में से किन्हीं दो की लगभग 200 शब्दों में संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 10x2 = 20

(क) चाहे संकीर्ण कहो या पूर्वाग्रही
मैं जिस टीस को बरसो बरस सहता रहा हूं
अपनी त्वचा पर सुई की चुभन जैसे,
उसका स्वाद है एक बार चखकर देखो
हिल जाएगा पॉव तले जमीन का टुकड़ा।

(ख) बाहर पुलिस की पदचापों से धरती गूंजती
और भीतर उसका दिल दहलता है
पुलिस के बूट, रौंदते जमीन को नहीं,
उसकी छाती को रौंद़ाते हैं।
जैसे एक सच जो परसों रात उसने देखा था।

(ग) मेरे और तुम्हारे बीच एक रेतीला ढूह है
जो किसी अंधड़ का इंतजार करने से पहले
किसी भी वक्त फट सकता है।
जिसके गर्भ से निकलेंगे गणना में लिप्त कुटिल शब्द
जिन्हें जलना होगा भक्ति भट्टी में
रोटी की महक में बदलने के लिए।

(घ) कोई भी कर सकता है तुम्हारा वध
ले सकता है बेगार
तुम्हारी स्त्री, बहिन और पुत्री के साथ कर सकता है बलात्कार
जला सकता है घर बार।
तब तुम्हारी निष्ठा क्या होती ?

(ड़) बंद किले के बाहर झाँक कर तो देखो
बर्फ पिघल रही है बछड़े मार रहे हैं फुर्री
बैल धूप चबा रहे हैं और
एकलव्य पुराने जंग लगे तीरों को आग में तपा रहा है।

2. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं दो की लगभग 200 शब्दों में सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10x2 = 20

(क) ''तुम लोग जमीन की टुकड़े की बात करते हों,
मुझे तो लगता है जैसे हम गरीबों की बहू
बेटियाँ उनकी शामिलात हों' भइये ने बापू की बात बीच में काटते हुए
जैसे किसी रहस्य की ओर संकेत किया।''

(ख) 'कण्डक्टर का तोन्दियल शरीर कपड़े फाड़कर
बाहर आने को छटपटा रहा था। बनैले सुअर
की तरह उसके चेहरे पर पान से रंगें दॉत,
उसकी भव्यता में इजाफा कर रहे थे। सुदीप
को लगा जंगली सुअर बस की भीड़ में घुस आया है।
उसने सहमकर सह यात्री को देखा,
जो निरपेक्ष भाव से अपने ख्यालों में गुम था।'

(ग) 'तभी तो यह हाय तौबा मची है। कोई छोटे–बड़े का भेद नहीं।
पहले इन्हें ससुरों की परछाई से दूर रह जाता था।
अलग खाना, अलग पीना। अब तो छोटे ठाकुर, सुना है
शहरों के होटलों में एक ही कप में सभी चाय पीवै हैं।
बड़ा अन्याय, सारा धरम ही चौपट हो गया।'

3. निम्नलिखित विषयों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 300 शब्दों में टिप्पणी कीजिए : 10x2 = 20

(क) 'अपने–अपने पिंजरे' की सरोकारों को स्पष्ट कीजिए ?

(ख) दलित स्त्री आत्मकथाओं की विशेषताएं निरूपित कीजिए ?

(ग) जूठन की कथावस्तु का विवेचन कीजिए ?

(घ) हिंन्दी की प्रमुख दलित आत्मकथाओं का विश्लेषण कीजिए ?

(ड़) दलित आत्मकथाओं की मुख्य विशेष विशेषताएं क्या है ?

(च) दलित कहानी की सोद्देश्यता पर विचार कीजिए ?

4. निम्नलिखित विषयों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 300 शब्दों में लिखिए : 10x2 = 20

(क) कहानी का शीर्षक 'वैतरणी' क्यों रखा गया है।

(ख) शमशान घाट बस्ती की तात्कालिक समस्याएं क्या है।

(ग) 'जनपद कविता' की जन सामान्य के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए सत्ता केन्द्रों की आलोचना के कारणों पर विस्तार से टिप्पणी लिखिए।

(घ) मुक्ति की चेतना के विस्तार को कहानी के माध्यम से प्रस्तुत कीजिए

(ड़) आधुनिकता ने भारतीय समाज पर किस तरह का असर डाला है ?